Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

SECOND YEAR B.A. (Gen)
SEMESTER –I

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)

Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2301

कहानी, काव्य एवं लेखन- I

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- ❖ छात्रों को लेखक एवं कवियों का साहित्यिक परिचय देना ।
- ❖ छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेताएओं से परिचित कराना ।
- ❖ प्रस्तुत कहानियों के आधार पर छात्रों को शैलीगत एवं विधागत अध्ययन का परिचय कराना।
- ❖ छात्रों को काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वादन कराना।
- ❖ छात्रों को फीचर लेखन की जानकारी से अवगत कराना ।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit –I (गद्य)	1.1	उसने कहा था (कहानी) - चंद्रधर शर्मा गुलेरी	05
	1.2	नमक का दारोगा (कहानी) – प्रेमचंद	03
	1.3	खेल (कहानी) – जयशंकर प्रसाद	03
	1.4	कर्मफल - यशपाल	05
	1.5	लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु	04
Unit –II (पद्य)	2.1	जुही की कली – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	05
	2.2	गाव के लड़के – सुमित्रानंदन पंत	04
	2.3	बौनों की दुनिया – गिरजाकुमार माथुर	04
	2.4	बाबा ने कहा था – सोहनपाल सुमनाक्षर	04
	2.5	कुत्ते की आत्मकथा – हरिनारायण व्यास	03
Unit –III (लेखन)	3.5	टिप्पण (नोटिंग), पल्लवन, संक्षेपण	04
	3.5	फीचर लेखन	04

References:

1. कथाधारा – संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. काव्यायन – संपा. डॉ. सुभाष तलेकर, डॉ. सुरेश साळुंखे, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
4 . भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SECOND YEAR B.A. (Gen)
SEMESTER –II

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)

Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2401

कहानी, काव्य एवं लेखन- II

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- ❖ छात्रों को लेखक एवं कवियों का साहित्यिक परिचय देना ।
- ❖ छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेताएओं से परिचित कराना ।
- ❖ प्रस्तुत कहानियों के आधार पर छात्रों को शैलीगत एवं विधागत अध्ययन का परिचय कराना।
- ❖ छात्रों को काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वादन कराना।
- ❖ छात्रों को मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ की लेखन की सैंद्धातिक जानकारी से अवगत कराना ।
- ❖ छात्रों को साक्षात्कार की जानकारी से अवगत कराना ।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit – I (गद्य)	4.1	घूस एक चिकनाई – रविंद्र कालिया	04
	4.2	मीरा नाची – मृदुला गर्ग	04
	4.3	सिलिया – सुशीला टाकभौरे	04
	4.4	छावनी में बेघर – अल्पना मिश्रा	04
	4.5	बिगडेल बच्चे – मनीषा कुलश्रेष्ठ	04
Unit – II (पद्य)	5.1	गाँव पर माँ – रमेश सोनी	04
	5.2	दो हाथियों की लड़ाई – उदय प्रकाश	04
	5.3	संयुक्त परिवार – राजेश जोशी	04
	5.4	अतीत नहीं होती नदी – डॉ. दामोदर खडसे	04
	5.5	चुनौती – डॉ. उषा यादव	04
Unit –III (लेखन)	6.1	साक्षात्कार लेना	04
	6.2	मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ का संकलन	04

References:

1. कथाधारा – संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. काव्यायन – संपा. डॉ. सुभाष तलेकर, डॉ. सुरेश साळुंखे, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
3. हिंदी रूप रचना - संपा. आ. जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

SECOND YEAR B.A. (Spl - 1)
SEMESTER –I

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)

Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2302

PAPER –I: हिंदी भाषा का विकास- I

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी देना।
- छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित कराना।
- छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण करना।
- भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।
- भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करना।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit –I	1.1	**भाषा की परिभाषाएँ :** भाषा का स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप, बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा आदि का सामान्य परिचय।	12
	1.2	**हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास का सामान्य परिचय :** हिंदी बोली वर्ग - राजस्थानी, पश्चिमी, पूर्वी, बिहारी, पहाड़ी का सामान्य परिचय, हिंदी की उपबोलियों का सामान्य परिचय (भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित)	12
Unit –II	2.1	**हिंदी का शब्द भंडार :** उद्गम के आधार पर हिंदी के तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी आगत शब्दों का परिचय।	10
	2.2	**लिपिविज्ञान :** नागरी लिपि का परिचय, वैज्ञानिक लिपि के रूप में नागरी लिपि की विशेषताएँ, नागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता।	10
Unit –III	3.5	**भाषा शिक्षण -** भाषा विज्ञान के मूलाधार – व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध व्याक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण।	04

References:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी राष्ट्रभाषा : राजभाषा : जनभाषा - डॉ. शंकर दयाल सिंह, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी भाषा, लिपि व साहित्य - डॉ. बलभीमराज गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. हिंदी रूप रचना - संपा. आ. जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SECOND YEAR B.A. (Spl-1)
SEMESTER –II

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)
Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2402

PAPER –II: हिंदी भाषा का विकास- II

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी देना।
- छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित कराना।
- छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण करना।
- भाषा विज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।
- भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करना।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit – I	4.1	**भाषा विज्ञान :** भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंग - ध्वनि विज्ञान, पदविज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, भाषाविज्ञान की शाखाएँ- वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान।	10
	4.2	**ध्वनिविज्ञान :** ध्वनिविज्ञान का परिचय, ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणालियाँ, ध्वनियों के भेद - स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण (स्थान और प्रयत्न के आधार पर)	10
	4.3	**पद विज्ञान :** पद की परिभाषा, शब्द और पद, संबंध तत्व, संबंध तत्वों के प्रकार (शब्द स्थान, शून्य संबंध तत्व, स्वतंत्र शब्द, ध्वनि प्रतिस्थापन, प्रत्यय आदि हिंदी में प्रयुक्त होने वाले संबंध तत्वों के प्रकार)	10
Unit – II	5.1	**वाक्यविज्ञान :** वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएँ, वाक्य के भेद (रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर, क्रिया के आधार पर)	06
	5.2	**अर्थविज्ञान :** अर्थ की परिभाषा, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।	05
Unit –III	6.1	**राजभाषा संवैधानिक प्रावधान**	02
	6.2	**राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रसार करनेवाली संस्थाओं का परिचय :** 1) काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी 2) हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग 3) दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास (चेन्नई) 4) राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा 5) महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे	05

References:

1. भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।
2. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा की शब्द-संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हंदी - प्रा. अनंत केदारे, साहित्यायन प्रकाशन, कानपुर।
5. भाषाविज्ञान और भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SYLLABUS UNDER AUTONOMY

SECOND YEAR B.A. (Spl- II)
SEMESTER –I

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)

Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2303

उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- I

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- ❖ छात्रों को हिंदी उपन्यास का अर्थ, स्वरूप को स्पष्ट कराना।
- ❖ हिंदी उपन्यास के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
- ❖ छात्रों को हिंदी उपन्यास के तत्व के आधार पर समीक्षा करना।
- ❖ छात्रों की हिंदी उपन्यास के आस्वादन की क्षमता विकसित कराना।
- ❖ मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
- ❖ मध्ययुग के कवियों के दोहे के माध्यम से शिल्प और सौंदर्य से परिचित कराना।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit –I (उपन्यास)	1.1	नाच्चौ बहुत गोपाल - अमृतलाल नागर	20
Unit –II (काव्य)	1.2	कबीर : दोहे (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	18
Unit –III (काव्य)	1.3	सूरदास : पद (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	10

References:

1. नाच्चौ बहुत गोपाल - अमृतलाल नागर
2. मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे, प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
3. भक्ति आंदोलन और सूरदास काव्य - डॉ. मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कबीर ग्रंथावली - संपा. श्यामसुंदर दास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर।
5. दर्शन, साहित्य और समाज - शिवकुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Deccan Education Society's

FERGUSSON COLLEGE, PUNE
(AUTONOMOUS)

SECOND YEAR B.A. (Spl-II)
SEMESTER –II

SYLLABUS FOR S.Y.B.A. (हिंदी)

Academic Year 2017-2018

PAPER CODE: HIN2403

उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य- II

[Credit - 3: No. of Lectures 48]

उद्देश्य :

- छात्रों को हिंदी नाटक का अर्थ, स्वरूप को स्पष्ट कराना।
- हिंदी नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
- छात्रों को हिंदी नाटक के तत्व के आधार पर समीक्षा करना।
- छात्रों की हिंदी नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित कराना।
- मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
- मध्ययुग के कवियों के दोहे के माध्यम से शिल्प और सौंदर्य से परिचित कराना।

Title and Contents			No. of Lectures
Unit – I (नाटक)	4.1	कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक	20
Unit – II (काव्य)	5.1	रहीम के दोहे (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	14
Unit –III (काव्य)	6.1	बिहारी के दोहे (मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे)	14

References:

1. कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक
2. मध्ययुगीन हिंदी काव्य - संपा. डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे, प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर
3. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियाँ - डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
4. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बिहारी रत्नाकर - संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।
6. रहीम ग्रंथावली - डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।